

सम्पादकीय.....

सहज ऋण प्रवाह ने बदली ग्रामीण जीवन शैली

वितावी संस्थाओं तक आम आदमी की सहज पहुंच और संस्थागत व गैर संस्थागत वितावी संस्थाओं द्वारा आसानी से ऋण सुविधा उपलब्ध कराने का परिणाम है कि आज देश के सुरु गांवों में भी रहन-सहन में तेजी से बदलाव देखने को मिल रहा है। शहरों में उपलब्ध सुविधाएं अब गांवों में सहजता से उपलब्ध हो रही हैं। ऐसे में ग्रामीणों की रहन-सहन और उनकी सोच में बदलाव आया है। आबादी भी व्यक्ति सामग्री-सुविधाओं की ओर देखता है और उन सुविधाओं को पाने के लिए कर्ज भी लेना पड़े तो व्यक्ति दो बार सोचता नहीं। यही समय और सोच का बदलाव है। सामियकी मंत्रालय की हालिया रिपोर्ट इस बात की गहराई से पुष्ट करती है। भारत सरकार के सामियकी मंत्रालय की व्याक वार्षिक माड्यूलर रिपोर्ट के अनुसार शहरों की तुलना में अब गांवों में ऋण लेने वाले अधिक होते जा रहे हैं। रिपोर्ट के अनुसार गांवों में प्रति एक लाख पर 18714 लोगों ने किसी ना किसी तरफ का कर्ज लिया है, जबकि शहरी क्षेत्र का यह आंकड़ा क्षेत्रों में तुलना में कुछ कम 17442 है। अच्छी बात यह है कि अब संस्थागत ऋणों की उपलब्धता सहज हो गई है पर गैर संस्थागत ऋण प्रदाताओं में भी तेजी से पाय पसरे हैं। हालांकि वितावी की बात यह है कि इन गैर संस्थागत ऋण प्रदाताओं में कहाँ न कहाँ पुराने साहूकारों की ज़िलक दिखाई देती है। दूसरी चिंता का कारण संस्थागत क्रण में भी इस तरह के ऋणों की व्याज दर कहीं अधिक है और संस्थागत हो या गैर संस्थागत ऋण, प्रदाता राज्य की एक किरण भी समय पर जमा नहीं होती है तो दण्डनीय व्याज, वसूली के नाम पर संपर्क और प्रशाचार आदि की चाच्छी और इसी तरफ के अन्य छपे व्याजें रोपने वाले की कमर तो इनके लिए काफी हैं। इसमें दो राय नहीं कि शहरी नागरिकों की तरह ग्रामीण नागरिकों के जीवन स्तर और रहन-सहन में सुधार होना चाहिए। शहरों से किसी भी क्षेत्र में ग्रामीण यीही नहीं रहने चाहिए। इसके अलावा जीवन की बदलाव की ओर जाए है।

विशेष डॉ. सत्यवाल सोरेन

उच्च करों के कारण पूँजी पलायन हो सकता है, जहाँ धनी व्यक्ति दुबई जैसे कर-अनुकूल क्षेत्राधिकारों में बसने के लिए देश छोड़ देते हैं। यह नवें जैसे देशों में देखा गया है, जहाँ संपत्ति करों में वृद्धि के कारण कई उच्च-निवल-मूल्य वाले व्यक्ति विदेश चले गए। भारत में विदेश में शासनांतरित होने वाले करोड़प्रतीयों की संख्या में वृद्धि देखी गई है। 2023 में, लगभग 5, 100 भारतीय करोड़प्रतीय व्यक्ति विदेश चले गए। भारत 1957 में इस सूची में शामिल हुआ जब वित्त मंत्री टी-टी-कृष्णामचारी ने संपत्ति कर लागू किया। हालांकि, समय के साथ, इस कर को लातू करने वाले देशों की संख्या कम हो गई है। उच्च देशों के लिए, कर लगाने वाले देशों विदेश 1990 में 12 से घटकर 2017 में चार ग्राउंड हो गई। भारत ने 2015 में इसे समाप्त कर दिया। हाल के वर्षों में, धन असमानता पर बढ़ती चिंताओं के कारण धन पर कर लगाने का विचार फिर से सामने आया है। अर्थशास्त्री थॉमस पिकेटी और उनके सहयोगियों द्वारा किए गए एक अध्ययन में भारत में असमानता में तेज वृद्धि को उजागर किया गया है, खासकर 2014-15 के बाद। उके शोध से संकेत मिलता है कि शीर्ष 1% आय अधिक करने वालों के पास 2022-23 में देश की आय का 22.6% हिस्सा होगा-यह अंकांडा दक्षिण अफ्रीका, ब्राजील और संयुक्त राज्य अमेरिका जैसे देशों से भी अधिक है। पिकेटी और उनके सह-लेखक 10 करोड़ रुपये से अधिक की शुद्ध संपत्ति पर 2% वार्षिक कर और उसी सीमा से अधिक की संपत्ति पर 33% कर का प्रस्ताव करते हैं। धन करों की अपील के बावजूद, उनका कार्यान्वयन कठिनाईयों से भरा है। 1985 में, जब वित्त मंत्री वी पी सिंह ने संपदा शुल्क (विवादित कर) का समाप्त किया, तो उन्होंने कहा कि इसका प्रशासन महानग्र और इसकी राज्यस्वामी थी, जिसमें केवल लगभग 20 करोड़ रुपये एकत्र किए गए थे। सिंह ने अपने कर धन असमानता को कम करने और राज्य विकास योजनाओं का समर्पण किया जाएगा।

वैश्विक स्तर पर और भारत में भी धन असमानता एक गंभीर मुद्दा बन गया है, जहाँ शीर्ष 1% लोगों के पास देश की 40.1% संपत्ति है। व्यापक गरीबी एवं ज्यज्य कल्याण कार्यक्रमों पर निर्भरत के साथ-साथ धन के इस संकेन्द्रण ने असमानता को दूर करने और सावधानिक राजस्व उत्पन्न करने के लिए देश छोड़ देते हैं। भारत में संघीय और विवादित करों विवादित करने के लिए व्यक्ति विदेश चले गए। भारत चोरी की ओर विवादित करने के लिए, जिसमें 1985 में एस्टेट द्वायता का उत्पन्न और 2015 में संपत्ति कर शामिल है। यह 19वीं शताब्दी से चली आ रही है, जब रिट्विटर लैंड के बेसल शहर ने 1840 में इस तरह का कर पेश किया था। अन्य देशों में भी इसका अनुसरण किया जाता है। जैसे देशों में वृद्धि के कारण कई उच्च-निवल-मूल्य वाले व्यक्ति विदेश चले गए। भारत में अधिक होती है तो दण्डनीय व्याज, वसूली के नाम पर संपर्क और प्रशाचार आदि की चाच्छी और इसी तरफ के अन्य छपे व्याजें रोपने वाले की कमर तो इनके लिए काफी हैं। इसमें दो राय नहीं कि शहरी नागरिकों की तरह ग्रामीण नागरिकों के जीवन स्तर और रहन-सहन में सुधार होना चाहिए। शहरों से किसी भी क्षेत्र में ग्रामीण यीही नहीं रहने चाहिए। इसके अलावा जीवन की बदलाव यह है कि ग्रामीणों और शहरियों में जीवन स्तर को लेकर जो स्तरीय व्याज और समानता आता है वह दिन प्रतिविवाद किया जाता है। अजां फ्रीज, एयर कपड़ीशनर, महरे एन्जायड मोबाइल या लज्जाबी वाहन आसानी से गांवों में देखने की सोच आ जाती है। देखा जाए तो गांव पहले वाले गांव नहीं रहे। यह विकास की तरीकी है। यहाँ तक कि ग्रामीण क्षेत्र में ऋण लेने की तरह हो गई है। सामियकी मंत्रालय के अंकड़े यह भी बताते हैं कि ग्रामीण क्षेत्र में ऋण लेने में महिलाओं की तरह ग्रामीणों की ऋण लेने में भलिताएं भी पीछे नहीं हैं और ऋण लेने वाली महिलाओं की संख्या भी बढ़ती जा रही है। दरअसल, ग्रामीण क्षेत्र हो या शहरी क्षेत्र अधिकतर ऋण घेरेलू जलरुरों को पूरा करने, बच्चों की पढाई-लियाई, खानान और शानीशोकत से रहने के लिए पवनों आदि के लिए विवाद जाता है। गांव और शहरों में एक अंतर यह है कि शहरों में स्वास्थ्य सेवाएं और शिक्षा और अधिकारी स्थानों पर ऋण लेने की तरह हो गई है। वैसे भी अधिकारी स्थानों पर संस्थागत कृपि रोपन करने के बायज पर उपलब्ध होता है पर नकारात्मक पक्ष यह है कि बिना व्याज के ऋण को समय पर नहीं चुका करना चाहिए। अजांब बच्चों की रोपन के लिए विवाद जाता है। गांव और शहरों में एक अंतर है कि शहरों में स्वास्थ्य सेवाएं और शिक्षा और अधिकारी स्थानों पर ऋण लेने की तरह हो गई है। वैसे भी अधिकारी स्थानों पर संस्थागत कृपि रोपन करने के बायज पर उपलब्ध होता है पर नकारात्मक पक्ष यह है कि बिना व्याज के ऋण को समय पर नहीं चुका करना चाहिए।

कैसी होगी कुम्भ के बाद की राजनीति ?

जाने हुए साल की राजनीति के कुम्भ में डुबकी लगाने वाले भारत देश में राजनीति कितनी बदली ये सभी देख लिया है। अब नए साल में प्रयाग में होने वाले कुम्भ के लिए देश की राजनीति कितनी प्रभावित होगी कहना कठिन है। प्रयागराज में 13 जनवरी 2025 से महाकुंभ शुरू होने जा रहा है। आम धरण है कि महाकुंभ के द्वारा राजनीति की आय का 2.6% हिस्सा होगा-यह अंकांडा दक्षिण अफ्रीका की आय का अपेक्षित है। महाकुंभ के द्वारा आयी जाने वाली की राजनीति की प्रत्यक्ष मदद मिलने वाली लेकिन देश की आयी जाने वाली की राजनीति में जब ये भाजपा का जन्म हुआ है और भाजपा उत्तर प्रदेश की राजनीति में आई थी तो वह लगभग 2025 को होगा। महाकुंभ के द्वारा आयी जाने वाली की राजनीति के क्षेत्रों की आयी जाने वाली की राजनीति की प्रतिक्रिया वार्ष 2024 के दौरान में भी अपेक्षित है। अब भाजपा की आयी जाने वाली की राजनीति के क्षेत्रों की आयी जाने वाली की राजनीति की प्रतिक्रिया वार्ष 2025 के दौरान में भी अपेक्षित है। अब भाजपा की आयी जाने वाली की राजनीति के क्षेत्रों की आयी जाने वाली की राजनीति की प्रतिक्रिया वार्ष 2026 के दौरान में भी अपेक्षित है। अब भाजपा की आयी जाने वाली की राजनीति के क्षेत्रों की आयी जाने वाली की राजनीति की प्रतिक्रिया वार्ष 2027 के दौरान में भी अपेक्षित है। अब भाजपा की आयी जाने वाली की राजनीति के क्षेत्रों की आयी जाने वाली की राजनीति की प्रतिक्रिया वार्ष 2028 के दौरान में भी अपेक्षित है। अब भाजपा की आयी जाने वाली की राजनीति के क्षेत्रों की आयी जाने वाली की राजनीति की प्रतिक्रिया वार्ष 2029 के दौरान में भी अपेक्षित है। अब भाजपा की आयी जाने वाली की राजनीति के क्षेत्रों की आयी जाने वाली की राजनीति की प्रतिक्रिया वार्ष 2030 के दौरान में भी अपेक्षित है। अब भाजपा की आयी जाने वाली की राजनीति के क्षेत्रों की आयी जाने वाली की राजनीति की प्रतिक्रिया वार्ष 2031 के दौरान में भी अपेक्षित है। अब भाजपा की आयी जाने वाली की राजनीति के क्षेत्रों की आयी जाने वाली की राजनीति की प्रतिक्रिया वार्ष 2032 के दौरान में भी अपेक्षित है। अब भाजपा की आयी जाने वाली की राजनीति के क्षेत्रों की आयी जाने वाली की राजनीति की प्रतिक्रिया वार्ष 2033 के दौरान में भी अपेक्षित है। अब भाजपा की आयी जाने वाली की राजनीति के क्षेत्रों की आयी जाने वाली की राजनीति की प्रतिक्रिया वार्ष 2034 के दौरान में भी अपेक्षित है। अब भाजपा की आयी जाने वाली की राजनीति के क्षेत्रों की आयी जाने वाली की राजनीति की प्रतिक्रिया वार्ष 2035 के दौरान में भी अपेक्षित है। अब भाजपा की आयी जाने वाली की राजनीति के क्षेत्रों की आयी जाने वाली की राजनीति की प्रतिक्रिया वार्ष 2036 के

एक इलाक

सैम कोंस्टास ने
कोहली के साथ हुई
झड़प पर तोड़ी चुप्पी

मेलबर्न : भारत के खिलाफ ऑस्ट्रेलिया डे टेस्ट में ऑस्ट्रेलिया के लिए पार्पण्ड करने वाले युवा सलामी बल्लेबाज सैम कोंस्टास ने गुरुवार को पर्सनल टेस्ट पर अपनी 60 रनों की धमाकेदार पारी से सुखियाँ बढ़ायी। सैदान पर रहने के दौरान कोंस्टास ने कुछ धमाकेदार शॉट लगाए, खास तौर पर उन्होंने जस्तीत बुमराह की गेंदों पर जमकर बल्ला घुमाया। हालांकि, 19 वर्षीय सलामी बल्लेबाज की मैदान पर विराट कोहली के साथ तीव्री बहस भी हुई। उत्तरांने के बाद कोंस्टास ने बताया कि मैदान पर कोहली के साथ क्या हुआ था, कहा कि भावनाएं उन दोनों पर हाथी हो गई थीं। टेस्ट क्रिकेट में अपने पहले मैच में अधिशतक बनाने के बाद कोंस्टास ने बाहर मुकुरा रह थे। कोहली से जुड़ी घटना पर इस युवा खिलाड़ी को कोई शिकायत नहीं हुआ। कोंस्टास ने ब्रॉडकास्टर गफिकेट से कहा, मुझे लाता है कि हम दोनों की भावनाएं प्रभावित हो गई थीं। मुझे इसका अहसास नहीं हुआ क्योंकि मैं अपने दर्दनाक पहले रहा था। कोंस्टास क्रिकेट में ऐसा होता है। कोंस्टास ने खिलाफ उनकी योजनाओं के बारे में भी पूछा गया, जिसपर उन्होंने कहा, मेरी कोई योजना नहीं ही, मैं अच्छे फ्रिकेट शॉट खेलने जा रहा था, लेकिन बुमराह निश्चित रूप से विश्व त्रुटीय गेलेबाज हैं।

**भारत के लिए खेलना
एक सपना सच होने
जैसा : अनिका**

नवी दिल्ली : महज 14 साल की उम्र में, अनिका दुबे, जिन्हें प्यार से पुणी की गोल्डन गर्लर के नाम से जाना जाता है, ने फरवरी 2025 में हांगकांग में होने वाली आगामी एशियाई टीम चैपियनशिप के लिए भारतीय टीम में युवा बहन बनारे का प्रतिनिधित्व करने के प्रति उपलब्ध हुआ। उन्होंने इस उपलब्ध पर अनिका ने हिन्दुस्तान समाज और साथ ही बातचीत की। उन्होंने इस दौरान अपनी अब तक की यात्रा पर विस्तार से बताया। अंतर्राष्ट्रीय मूल्य पर देश का प्रतिनिधित्व करने को लेकर अनिका ने कहा, भारत का प्रतिनिधित्व करना न केवल एक शानदार अवसर है, बल्कि एक रोमांचक अनुभव भी है। यह एक सपने के सच होने जैसा है।

खेलशी का अवॉर्ड

खेलशी का अवॉर्ड

शारजाह : न्यूजीलैंड के आधुनिक क्रिकेट के सबसे बेहतरीन तेज गेंदबाजों में से एक टिप साउथी टीपी वर्ड आईएलटी20 के आगामी संकरण में शारजाह वारियर्स की कप्तानी करेंगे। 4 बन्डे विश्व कप और 6 टी20 विश्व कप खेल चुके साउथी टीपी वर्ड आईएलटी20 में पहली बार दिस्सा ले रहे हैं। साउथी ने अपने करियर के विभिन्न चरों में न्यूजीलैंड पुरुष क्रिकेट टीम की कप्तानी की है। 18 वर्षीय साउथी ने भारत में आईपीएल के 10 सीजन खेले हैं, जिसमें केकेआर, मुंबई इंडियंस, चेन्नई सुपर किंग्स, राजस्थान रॉयल्स और रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर जैसी टीमों के लिए खेले हैं। और यूके में द हैंड्रेड और

ऑस्ट्रेलिया ने 6 विकेट पर बनाये 311 रन

एजेंसी
मेलबर्न : ऑस्ट्रेलिया ने बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के चौथे टेस्ट के पहले दिन भारत के खिलाफ 6 विकेट पर 311 रन बना लिए हैं। गुरुवार को स्टेप्स तक स्टैन स्थित 68 और कपान घैट कप्सिस 8 रन पर नाबाद लाई। मेलबर्न के MCG पर ऑस्ट्रेलियाई टीम ने टॉस जीतकर ऑस्ट्रेलिया चौथे टेस्ट का फैसला लिया। 19 साल के युवा ओपर सैम कोंस्टास (60 रन) और उम्मान ख्वाजा (57 रन) ने कंगारू टीम को सधी शुरूआत दिलाई। दोनों ने 116 बॉल पर 89 रन की ओपनिंग पार्टनरशिप की। मार्सेल लाबुशेन ने 72 रन और विकेटकारी एलेक्स के 31 रन का योदान दिया। मिशेल रायर्स 4 और ट्रैविस हेड शून्य के निजी

स्कोर पर आउट हुए। दिन के पहले सेशन में ऑस्ट्रेलिया का बदबवा रहा, जबकि दूसरा सेशन मिलाजुला रहा। फिर इंडिया ने दिन के आखिरी सेशन में वापसी की। फिलहाल, 5 मैचों की सीरीज 1-1 की बाबरारी पा रही है। भारत ने पहला और ऑस्ट्रेलिया ने दूसरा टेस्ट जीता। तीसरा टेस्ट ड्रॉ रहा।

भारत - ऑस्ट्रेलिया चौथे टेस्ट का फैसला

स्ट्रांग - भारत के नाम रहा
तीसरा सेशन, 6 विकेट मिले

स्ट्रीव स्मिथ 68 रन बनाकर नाबाद लौटे, बुमराह ने लिए 03 विकेट

एजेंसी
ऑस्ट्रेलियाई टीम का स्कोर 300 पार

ऑस्ट्रेलियाई टीम ने पहली पारी में 300 रन का योदान लाला। दिन का खेल समाप्त होने पर स्ट्रीव स्मिथ 68 और घैट कप्सिस 8 रन पर नाबाद हो गये।

तीसरी बॉल पर लगे बाई से ऑस्ट्रेलिया का 300वां रन आया।

ऑस्ट्रेलिया का छठा विकेट गिरा,

कैरी आउट 83वें ओवर में

ऑस्ट्रेलिया ने छठा विकेट गंवा

दिया है। यहां विकेटकीपर एलेक्स कैरी (31 रन) को आकाश दीप ने फिकेटकीपर ऋषभ पंत के हाथों कैच कराया। स्ट्रीव स्मिथ और एलेक्स कैरी की फिफ्टी

तीसरी बॉल पर लगे बाई से ऑस्ट्रेलिया का 300वां रन आया।

ऑस्ट्रेलियाई टीम ने पहली पारी में 300 रन का योदान लाला। दिन का खेल समाप्त होने पर स्ट्रीव स्मिथ 68 और घैट कप्सिस 8 रन पर नाबाद हो गये।

तीसरी बॉल पर लगे बाई से ऑस्ट्रेलिया का 300वां रन आया।

ऑस्ट्रेलिया का छठा विकेट गिरा,

कैरी आउट 83वें ओवर में

ऑस्ट्रेलिया ने छठा विकेट गंवा

दिया है। यहां विकेटकीपर एलेक्स कैरी (31 रन) को आकाश दीप ने फिकेटकीपर ऋषभ पंत के हाथों कैच कराया। स्ट्रीव स्मिथ और एलेक्स कैरी की फिफ्टी

तीसरी बॉल पर लगे बाई से ऑस्ट्रेलिया का 300वां रन आया।

ऑस्ट्रेलियाई टीम ने पहली पारी में 300 रन का योदान लाला। दिन का खेल समाप्त होने पर स्ट्रीव स्मिथ 68 और घैट कप्सिस 8 रन पर नाबाद हो गये।

तीसरी बॉल पर लगे बाई से ऑस्ट्रेलिया का 300वां रन आया।

ऑस्ट्रेलिया का छठा विकेट गिरा,

कैरी आउट 83वें ओवर में

ऑस्ट्रेलिया ने छठा विकेट गंवा

दिया है। यहां विकेटकीपर एलेक्स कैरी (31 रन) को आकाश दीप ने फिफ्टी

तीसरी बॉल पर लगे बाई से ऑस्ट्रेलिया का 300वां रन आया।

ऑस्ट्रेलिया का छठा विकेट गिरा,

कैरी आउट 83वें ओवर में

ऑस्ट्रेलिया ने छठा विकेट गंवा

दिया है। यहां विकेटकीपर एलेक्स कैरी (31 रन) को आकाश दीप ने फिफ्टी

तीसरी बॉल पर लगे बाई से ऑस्ट्रेलिया का 300वां रन आया।

ऑस्ट्रेलिया का छठा विकेट गिरा,

कैरी आउट 83वें ओवर में

ऑस्ट्रेलिया ने छठा विकेट गंवा

दिया है। यहां विकेटकीपर एलेक्स कैरी (31 रन) को आकाश दीप ने फिफ्टी

तीसरी बॉल पर लगे बाई से ऑस्ट्रेलिया का 300वां रन आया।

ऑस्ट्रेलिया का छठा विकेट गिरा,

कैरी आउट 83वें ओवर में

ऑस्ट्रेलिया ने छठा विकेट गंवा

दिया है। यहां विकेटकीपर एलेक्स कैरी (31 रन) को आकाश दीप ने फिफ्टी

तीसरी बॉल पर लगे बाई से ऑस्ट्रेलिया का 300वां रन आया।

ऑस्ट्रेलिया का छठा विकेट गिरा,

कैरी आउट 83वें ओवर में

ऑस्ट्रेलिया ने छठा विकेट गंवा

दिया है। यहां विकेटकीपर एलेक्स कैरी (31 रन) को आकाश दीप ने फिफ्टी

तीसरी बॉल पर लगे बाई से ऑस्ट्रेलिया का 300वां रन आया।

ऑस्ट्रेलिया का छठा विकेट गिरा,

कैरी आउट 83वें ओवर में

ऑस्ट्रेलिया ने छठा विकेट गंवा

दिया है। यहां विकेटकीपर एलेक्स कैरी (31 रन) को आकाश दीप ने फिफ्टी

तीसरी बॉल पर लगे बाई से ऑस्ट्रेलिया का 300वां रन आया।

ऑस्ट्रेलिया का छठा विकेट गिरा,

कैरी आउट 83वें ओवर में

पिकनिक का मौसम आते ही खिलने लगे खूंटी के ग्रामीणों के चेहरे

झारखंड के खूंटी जिले में पर्वटन स्थलों के आसपास रहने वाले ग्रामीणों के चेहरे खिलने लगे हैं। नवंबर माह से ही जिले के परवांधाघ, पंचखाघ, सप्तधारा, रानी फॉल, पांडुपुँग, चंचला घाघ, बाघलता सहित अन्य पर्वटन स्थलों में सैलानियों की भीड़ जुँड़े लगती है। भारी संख्या में पर्वटकों के आन से स्थानीय लोगों को अच्छा खासा रोजगार मिल जाता है। पर्वटन स्थलों के आसपास रहने वाले ग्रामीणों को पिकनिक के इस मौसम का बेसबी से इंतजार रहता है। पर्वटन समितियों और उनके सदस्यों को नवंबर से फरवरी तक लाखों रुपये की कमाई हो जाती है।

गुलगुला से लेकर चिकन-मटन तक की लगती हैं दुकानें

नवंबर से लेकर फरवरी महीने तक खूंटी जिले के सभी पर्वटन स्थलों में हर दिन सुबह आठ बजे से शाम पांच बजे तक स्थानीय ग्रामीण गुलगुला, चाघ-पकड़ी, मुहरी, चाट मसाला, गोलगप्पे, चिकन, मटन, होटल, तेल-साबुन, इडली, मदुवा रोटी, हस्तशिल्प से लेकर लगभग जरूरत की हर चीज़ की दुकानें लगती हैं। परवांधाघ जलप्रपात में चर्चे की दुकान लगाने वाले फिलोमिना रहती हैं कि धनकटी खत्म होने के बाद हमें चार महीने तक अच्छा रोजगार मिल जाता है। उन्होंने बताया कि सभी तरह की दुकानें यहां लगती हैं। अपनी रुचि और क्षमता के अनुसार लोग दुकानें लगाते हैं। उन्होंने कहा कि पूरा परिवार मिलकर दुकान



का संचालन करते हैं। परवांधाघ में ही तेल-साबुन और अन्य मनिहारी की दुकान लगाने वाले मरुस भेगर होते हैं कि पिकनिक के मौसम का उड़ें बेसबी से झूंटीजार रहता है। उन्होंने कहा कि खूंटी जिले के तोराप्रखंड को प्रकृति ने परवांधाघ, पांडुपुँग, सप्तधारा, चंचला घाघ, चिकिंग सहित गई पर्वटन स्थल उपरका के रूप में दिये हैं। इस क्षेत्र में राजजार के अच्छे अवसर हैं, लेकिन काला प्रखासन इन पर्वटन स्थलों के विकास पर ध्यान नहीं दे रही है। तोराप्रखंड की निवासी प्रदीप के सरकारी कहते हैं कि तोरापा और रनिया प्रखंड के पर्वटन स्थलों में सुविधा के अभाव में लोग कम आते हैं। उन्होंने कहा कि किसी भी पिकनिक स्पॉट में जाने के लिए अच्छी पड़क तरफ नहीं है। यदि आवागमन की सुविधा हो तो सालों भर सैलानी यहां आयें और गंदी खाली लोगों को रोजगार के अवसर मिलें।

उमड़ रही है सैलानियों की भीड़

तोराप्रखंड के प्रमुख पर्वटन स्थल परवांधाघ, पांडुपुँग तथा चंचला घाघ में पर्वटक पहुंचने लगे हैं। प्रतिदिन बड़ी संख्या में सैलानी यहां पहुंच रहे हैं। रविवार सहित अन्य छूटी के दिनों में सैलानियों की संख्या ज्यादा रहती है। फटका पंचायत में स्थित परवांधाघ प्रखंड के प्रमुख पर्वटन स्थल है। यहां के जलप्रपात की सुरक्षा देखते ही बनती है। हरे-भरे जंगलों के बीच कारों नदी पर स्थित यह स्थल प्राकृतिक सौंदर्य से परिपूर्ण है। इस जलप्रपात के पास बोटिंग की गतिशीलता है।

व्यवस्था पर्यटक मित्रों द्वारा की जाती है। देसी तकनीक से लकड़ी का बोट बनाया जाता है, जिसमें बैठक सैलानी बोटिंग के रोमांच का लुत्फ़ उठाते हैं। जलप्रपात को देखने के लिए नदी की दूरी तरफ जाने के लिए लकड़ी का अस्थाई पुल भी पर्यटक मित्रों द्वारा बनाया जाता है।

यान्मोल के प्रयोग पर है प्रतिबंध, पर्यटकों को गिलाता है गार्डन बैग

परवांधाघ में थमोल का प्रयोग प्रतिबंधित है। इसकी जगह पर पाने से बने दोनों पतल का प्रयोग सैलानी कर सकते हैं। दोनों पतल की बिक्री परवांधाघ में की जाती है। गंदी रोकने के लिए पर्यटक समितियों द्वारा कई कदम उठाये जाते हैं। परवांधाघ के पर्वटन स्थलों में सुविधा के अभाव में लोग कम आते हैं। उन्होंने कहा कि किसी भी पिकनिक स्पॉट में जाने के लिए अच्छी पड़क तरफ नहीं है। यदि आवागमन की सुविधा हो तो सालों भर सैलानी यहां आयें और गंदी खाली लोगों को रोजगार के अवसर मिलें।

उमड़ रही है सैलानियों की भीड़

तोराप्रखंड का सबसे ऊंचा जलप्रपात

पहाड़ी नदियों और छोटे-बड़े जलप्रपात से भरा पड़ा है महुआडांड

नये साल में महुआडांड से 17 किलोमीटर दूरी पर पर्विम दिला में रित्यु लोध फॉल प्रखंडित छाता से सैलानियों को लुप्त रहा है। वह झारखंड का सबसे ऊंचा जलप्रपात है जिस की समुद्र तल से ऊंचाई 800 मीटर है जहां 143 मीटर की ऊंचाई से पानी नीचे गिरता है हरी-भरी वादियों पर्वत जंगलों से पहाड़ी नदियों और छोटे बड़े जलप्रपात से महुआडांड भरा पड़ा है। प्रखंड के नेत्रहाट और लोध फॉल के पर्विमिक घट्ट को देखने के लिए सालों भर हर मौसम में पश्चिम बंगाल, बिहार, छत्तीसगढ़ के साथ अन्य राज्यों के अलावा साल के वहां जनवरी में विदेश से पर्वटक आते रहते हैं साल का अस्तित्व होने के कारण आजकल इन जगहों पर भीड़ उमड़ने लगी है। सभी पर्वटक स्थल गुलजार हो गए हैं।

वही महुआडांड के लोध फॉल जाने वाली सड़क अब बन चुके हैं। लोध फॉल पहुंच मार्ग के करीब 1 किलोमीटर तक सड़क खाल होने के कारण छोटे बड़े वाहनों को आने जाने में दिक्षित होती है। लोध फॉल की खास बात है कि दोपहर के बाद सुरज की किन्ने नहीं दिखाई देती। शाम 4:00 बजे के बाद सर्दियों के समय जलदी वास आने में ही लोगों की भ्रष्टी है। इन दिनों लोध फॉल में गाड़ि के रूप में पर्वटक विभाग और इसके विकास समिति के स्थानीय लोगों द्वारा पर्वटकों लोध फॉल के बारे जानकारी और अन्य सुरक्षा के बारे में बताया जाता है।

सुरक्षा को लेकर लोध फॉल के पास रहते हैं सुरक्षा गार्ड

लोध फॉल में सुरक्षा कर्मी के रूप में इंको

विकास समिति के सदस्य व पर्वटक विभाग के सदस्यों द्वारा आने वाले पर्वटकों सुरक्षा के बारे जानकारी देते हैं। अधिक ऊंचाई व गर्भे पानी में जाने माना करते हैं ताकि कोई गिर न जाए। वही पानी में कोई भी गिर जाने से अच्छे तैराक टीम में मौजूद है। यहां के बराबर सहित अन्य छूटी के दिनों में स्थित परवांधाघ प्रखंड के सुरक्षा देखते ही बनती है। हरे-भरे जंगलों के बीच कारों नदी पर स्थित यह स्थल प्राकृतिक सौंदर्य से परिपूर्ण है। इस जलप्रपात के पास बोटिंग की गतिशीलता है।

लोध फॉल में बस सहित अन्य छोटे बड़े वाहनों से सड़क मार्ग द्वारा आ सकते हैं।



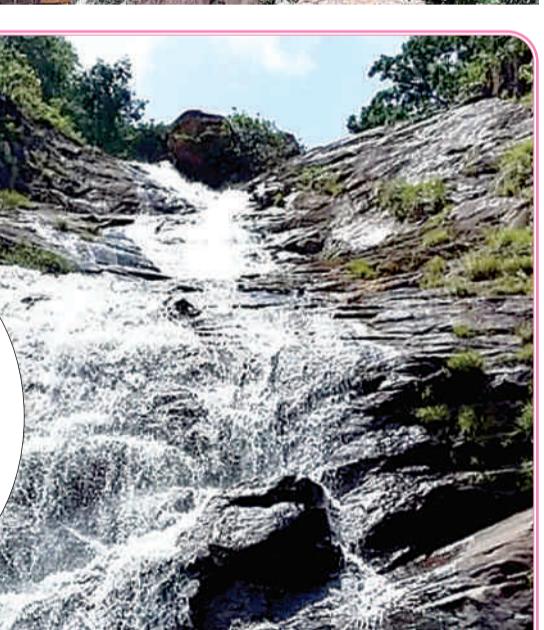
सुरक्षई फॉल की खूबसूरती बढ़ी

जंगल, पहाड़ और नदियों से आच्छादित महुआडांड को प्रकृति ने तमाम प्रकृति के उपहारों से नवाजा है। प्रखंड के ओरसापाठ पंचायत अंगर्गत जलप्रपात सुरक्षई फॉल की खूबसूरती देखते ही बन रही है। तो जलप्रपात को धेर हरियाली समेटे पहाड़ भी खूबसूरती में चार चांद लगा रही है। जंगलों में ही रही बारिश से फॉल का जलस्तर बढ़ गया है, और पानी का बहाव तेज़ हो गया है। बहां इसकी सुंदरता देखने स्थानीय पर्वटक पहुंच रहे हैं। सुरक्षई फॉल सरकारी उपचारों के कारण आजकल इन जगहों पर भीड़ उमड़ने से चेतावनी देखती है। और पर्विमिन प्रकार की जागरूकता प्रजातान्त्रिक विविधता पूर्ण परिस्थितिक तंत्र का हश्य प्रस्तुत करते हैं दूसरे से ध्यान देखने की आवश्यकता है। अस्तित्व की गतिशीलता और अंतर्गत महत्वपूर्ण है। इसकी धारा अनुमानित है:

250-300 फिट की ऊंचाई से गिर कर एक छोटे जलाशय का निर्माण करती हुई और नदी के रूप में बहती हुई बुढ़ा नदी में मिल जाती है। लेकिन जंजर सड़क मिजाज किरकिरा कर दे रही है। पर्वटकों ने कहा कि ये दूरस्त घोले हैं, लेकिन यहां पहुंचना काफ़ी मुश्किल हो रहा है। सैलानियों का कहना है खूबसूरत दूरस्त घोले हैं। लेकिन जंजर सड़क के कारण यहां पहुंचना काफ़ी मुश्किल हो रहा है। बरां जंगली सुअर, भालू, भेड़िया, नेवला, हाथी जैसे पशु तथा मोर, महुकल आदि विविध प्रकार की जागरूकता प्रजातियों के पश्चिमी के कारण यहां पहुंचना काफ़ी मुश्किल हो रहा है। उन्होंने सरकार से आग्रह किया है कि जलद से जलद इस सड़क की मरम्मत करायी जाए, ताकि यहां आकर लोग नए साल का जश्न मना सकें।

पर्वटकों की उमड़ रही भीड़

जलप्रपात के लिए पहुंचो हैं लोग



महाकृष्ण 2025 ग्राम टेंट सिटी

घर जैसी सुविधाओं के साथ होंगे संगम के दर्शन

महाकृष्ण, भारतीय संस्कृति और आध्यात्मिकता के साथ संगम की धारों में आयोजित होनेवाला सबसे अहम पर्व है। यह दिव्य आयोजन विवाहभर से लाखों द्राविड़ और पांडुलुओं के लिए आकर्षणीय रहता है। इसकी धारा भारतीय रेल और पर्विमिन प्रकार के केन्द्रीय रेलवे द्वारा देखती है। वहां, इस बार भारतीय रेल में अद्वितीय पर्विमिन ट्रेन दौड़ा रही है। इसमें इस बार भ्रातुरुओं और पर्विमिनों के लिए महाकृष्ण ग्राम टेंट सिटी का शुभारम्भ किया गया है, जो आध्यात्मिकता और

ग्रामीणीकरण के लिए